म्यांमार: जंटा से व्यापार का लालच — Act East की दुविधा और क्षेत्रीय भू-राजनीति

अंतर्राष्ट्रीय/दक्षिण-पूर्व एशिया | म्यांमार • Act East • GS-II | समाचार-संदर्भ: 4 नवंबर 2026 | प्रकाशन: 4 नवंबर 2026



Original symbolic image: pcsmantra.com

मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

द हिंदू के 4 नवंबर 2026 के संपादकीय के अनुसार, एक "फर्जी चुनाव" (जिसके माध्यम से जंटा-प्रमुख **मिन आंग ह्लाइंग** म्यांमार के "नागरिक" राष्ट्रपति बने) के महीनों बाद भी सेना अपने ही लोगों के विरुद्ध युद्ध जारी रखे है — 2021 के कूप के बाद से अनुमानित **एक लाख से अधिक लोग** मारे जा चुके हैं और विद्रोही क्षेत्रों के गाँवों पर हवाई हमलों में हज़ारों नागरिक मारे गए। इसके बावजूद विश्व जुट रहा है: मिन आंग ह्लाइंग शपथ के बाद **भारत, थाईलैंड, वियतनाम** और तीन अन्य ASEAN देशों के दौरे कर चुके हैं; अमेरिकी अधिकारियों ने कथित तौर पर जून और अक्टूबर में **टोक्यो में जंटा से गुप्त वार्ता** की और सितंबर में एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल नेपीडॉ गया; जापान कथित तौर पर **FATF की ब्लैकलिस्ट से म्यांमार को हटवाने** का दबाव बना रहा है। संपादकीय का मूल प्रश्न: क्या ऐसे शासन के साथ व्यापार विवेकपूर्ण है जिसने लोकतंत्र की हर प्रक्रिया को नष्ट कर दिया हो?

कूप के चार वर्ष और "चुनावी" मुखौटा

फरवरी 2021 के सैन्य अभियान के बाद म्यांमार में जंटा और अर्ध-सैन्य **पीपुल्स डिफेंस फोर्सेस** व जातीय सशस्त्र संगठनों के बीच गृहयुद्ध छिड़ा है। संपादकीय के अनुसार चुनाव को जंटा ने वैधता का मुखौटा बनाया; रूस और चीन इसके प्रमुख हथियार-आपूर्तिकर्ता रहे — रूसी जेटों का प्रयोग नागरिकों पर बमबारी में हुआ। चीन ने 2023 के अंत में शान और रखाइन राज्यों में तीन जातीय संगठनों का आक्रामक अभियान चुपचाप सहा, फिर दो पर युद्धविराम और छीन चुके क्षेत्र लौटाने का दबाव डाला, और जनवरी के चुनाव को समर्थन दिया।

कौन क्यों जुटा: हथियार, खनिज और समुद्री पहुँच

चीन: हिंद महासागर तक रास्ता और अपने तेल-गैस पाइपलाइनों की सुरक्षा; साथ ही दोनों पक्षों से संबंध — कचीन इंडिपेंडेंस ऑर्गेनाइजेशन का क्षेत्र **दुर्लभ-मिट्टी (rare earths) और जेड** से भरा है, यूनाइटेड वा स्टेट आर्मी विशाल **टिन खदान** चलाती है। **अमेरिका:** इलेक्ट्रिक वाहनों और हथियार-प्रणालियों के लिए भारी दुर्लभ-मिट्टी — **डिस्प्रोजियम और टर्बियम** — तक पहुँच। **ASEAN:** औपचारिक रूप से **Five-Point Consensus** (हिंसा बंद और संवाद) की कसम, किंतु सदस्य जंटा के साथ कारोबार को उत्सुक।

भारत का दांव: Act East और Kaladan

नई दिल्ली की रुचि: ठंडे बस्ते में डाली गई **Act East नीति** को पुनर्जीवित करना, जिसमें **Kaladan मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना** (कोलकाता-सितवे समुद्री पहुँच से पूर्वोत्तर को जोड़ने वाला मार्ग) प्रमुख है। म्यांमार भारत की पूर्वी दिशा की भूमि-सीमा साझा करने वाला एकमात्र ASEAN देश है — सीमावर्ती स्थिरता, विद्रोही गतिविधि और कनेक्टिविटी, तीनों दृष्टियों से यह संबंध भारत के लिए अनिवार्य है; प्रश्न यह है कि जुड़ाव की कीमत और शर्तें क्या हों।

संपादकीय का तर्क और आगे की राह

संपादकीय की निष्कर्ष-पंक्ति: **व्यापार शांति में फलता है**, उस देश में नहीं जहाँ सशस्त्र समूह नियंत्रण के लिए लगातार लड़ते हों; और जिस जंटा ने अपने नागरिकों को मारा हो और लोकतंत्र की हर प्रक्रिया रद्द की हो, वह शांति दे ही नहीं सकता। जब तक जनरलों को युद्ध-अपराधों का जवाब न देना पड़े, म्यांमार युद्ध-क्षेत्र बना रहेगा — अपने लोगों के लिए भी और उसमें कारोबार चाहने वालों के लिए भी विनाशकारी। भारतीय परिप्रेक्ष्य में यह सीधा प्रश्न Act East की रणनीतिक-नैतिक संतुलन की है।

घटनाक्रम

- **फरवरी 2021:** म्यांमार में सैन्य अभियान; निर्वाचित सरकार उलटी गई
- **अप्रैल 2021:** ASEAN का Five-Point Consensus — हिंसा बंद, संवाद
- **2023 के अंत:** शान-रखाइन में जातीय संगठनों का आक्रामक अभियान; चीन का दोहरा खेल
- **जनवरी 2026:** विवादित चुनाव — मिन आंग ह्लाइंग "नागरिक" राष्ट्रपति (संपादकीय का आकलन: फर्जी)
- **जून-अक्टूबर 2026:** अमेरिका-जंटा गुप्त वार्ता (टोक्यो); सितंबर में नेपीडॉ प्रतिनिधिमंडल
- **4 नवंबर 2026:** द हिंदू संपादकीय: जंटा से जुड़ाव अल्पदर्शित

परीक्षा के लिए महत्त्व

मेन्स (GS-II): भारत की Act East नीति और म्यांमार-दुविधा; ASEAN की सीमाएँ; दुर्लभ-मिट्टी भू-राजनीति; मूल्य-आधारित बनाम हित-आधारित विदेश नीति।
प्रिलिम्स: 2021 कूप; Five-Point Consensus; Kaladan मल्टी-मॉडल परियोजना; FATF ब्लैकलिस्ट; डिस्प्रोजियम/टर्बियम।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"म्यांमार की जंटा के साथ व्यावहारिक जुड़ाव भारत की Act East नीति की रणनीतिक ज़रूरत है, किंतु इसकी कीमतें भी हैं।" टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए। 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: फर्जी चुनाव के बाद भी भारत समेत कई देश जंटा से जुड़ रहे हैं — रुचियाँ स्पष्ट हैं, जोखिम भी।

मुख्य भाग में: जुड़ाव के पक्ष: Act East का पुनरुत्थान, Kaladan परियोजना, पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी, सीमावर्ती सुरक्षा, चीन के प्रभाव का प्रतिसंतुलन। कीमतें: अमानवीय रिकॉर्ड वाले शासन को वैधता; गृहयुद्ध में कनेक्टिविटी परियोजनाओं की असुरक्षा; दुर्लभ-मिट्टी की होड़ में नैतिक स्थिति का क्षय; ASEAN के Five-Point Consensus की विफलता। संतुलन: जुड़ाव सीमित, शर्त-आधारित और परिणाम-जुड़ा हो; न्यायिक जवाबदेही (युद्ध-अपराध) को दीर्घकालिक लक्ष्य बनाए रखें।

निष्कर्ष में: भू-राजनीति जुड़ाव मांगती है, किंतु अल्पदर्शित व्यापार-लालच शांति नहीं खरीद सकता — भारत को हित और मूल्य के सौजन्य से संतुलित, कदम-दर-कदम जुड़ाव चाहिए।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. ASEAN के Five-Point Consensus के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: यह म्यांमार में हिंसा बंद करने और संवाद का आह्वान करता है।
कथन-II: इसके अनिवार्य बाध्यकारी प्रवर्तन तंत्र (enforcement mechanism) के कारण जंटा ने इसे पूर्णतः लागू कर दिया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं

(b) कथन-I सही है, किंतु कथन-II सही नहीं है

(c) कथन-I सही नहीं है, किंतु कथन-II सही है

(d) न तो कथन-I, न ही कथन-II सही है

▼ उत्तर और व्याख्या
उत्तर: (b) — संपादकीय के अनुसार ASEAN औपचारिक रूप से Five-Point Consensus पर अडिग है, किंतु जंटा ने इसके हर बिंदु की अवहेलना की है — कोई प्रवर्तन तंत्र प्रभावी नहीं हुआ।

प्रश्न 2. Kaladan मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना के संदर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(a) यह भारत को म्यांमार होते हुए पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाली कनेक्टिविटी परियोजना है, जो Act East नीति का अंग है

(b) यह भारत और थाईलैंड के बीच सीधा समुद्री मार्ग है

(c) यह ASEAN द्वारा वित्तपोषित रेल परियोजना है

(d) यह केवल म्यांमार के भीतर की आंतरिक सड़क परियोजना है

▼ उत्तर और व्याख्या
उत्तर: (a) — Kaladan परियोजना कोलकाता-सितवे समुद्री-नदी-सड़क मार्ग से पूर्वोत्तर को जोड़ती है; संपादकीय के अनुसार भारत अपनी ठंडे बस्ते में गई Act East नीति को इसी से पुनर्जीवित करना चाहता है।

स्रोत

1. द हिंदू संपादकीय: Business, unusual — On engaging with the Myanmar junta (4 नवंबर 2026)